(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) कोलियरी नियंत्रण आदेश 1945 के अन्तर्गत दिनांक 30-12-1988 को जारी अधिसूचना के अनुसार, कोयले की लाभकारी ताप-क्षमता के आधार पर अकोकिकर कोयले को "ए" से "जी" ग्रेड में वर्गीकृत किया गया है। कोयला नियंत्रक ने इस संबंध में सूचना दी है कि चूंकि जमदोबा और पश्चिमी बोकारो की कोलियरियों में मात्र कोकिकर कोयले का उत्पादन होता है, अतः उत्पादन किया गया उक्त कोयला "ए", "बी" अथवा "सी" में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है चूंकि ये ग्रेड मात्र कोकिकर कोयले के लिए प्रयुक्त होते हैं। किन्तु कोयला नियंत्रक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, इन खानों से उत्पादित कोयले का एक हिस्सा धातुकर्मीय उद्देश्यों के लिए उपयुक्त पाया गया था और कंपनी ने इसकी समय-समय पर निकासी किये जाने के लिए कोयला नियंत्रक की अनुमति मांगी थी। वर्ष 1986-90 (जुलाई तक) की अवधि के दौरान 10.40 मि. टन के कुल कोयले के उत्पादन में से कोयला नियंत्रक द्वारा निरीक्षणोपरान्त विपणन के लिए 0.52 मि. टन कोयले की गैर धातुकर्मीय उपभोक्ताओं को आपूर्ति की गई। कोयला नियंत्रक द्वारा यह सूचना दी गई है कि कीमतों के निर्धारण के प्रयोजन से, कंपनी द्वारा उक्त कोयले को ग्रड "डी" तथा "एफ" में रखा गया है। किन्तु बिहार सरकार ने रायल्टी तथा उपकर की अदायगी के लिए कोयले की उक्त मात्रा को भी कोकिकर कोयले के रूप में शामिल किये जाने का एक मामला दायर किया है।

(ख) और (ग) जी, नहीं। यह मामला राज्य सरकार से सम्बद्ध है जिसने कंपनी द्वारा गैर-धातुकर्मी उपभोक्ताओं को विपणन किये कोकिकर कोयले के संबंध में लागू रायल्टी तथा उपकर की वसूली की जाने के लिए कंपनी के विरुद्ध पहले ही एक मामला दायर कर दिया है।

Scheme to Store Gas in Narimanam Area by ONGC

*93. SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) what is the daily production of gas in the Cauvery basin;

(b) whether the Oil and Natural Gas Commission has conceived a scheme to store gas for future use in Narimanam area; and

(c) if so, whether the work has begun and by when it is likely to be completed?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): (a) Presently approximately 0.242 MMCMD of gas is being produced in the Cauvery Basin.

(b) and (c) ONGS's plans for setting up underground injection/storage facilities for 1 to 2 lakh cubic metres per day of surplus associate gas produced in the Cauvery Basin is at conceptual stage. The implementation of such a scheme will depend on its techno-economic feasibility.

मारुति-1000 कारों का निर्माण

*94. **श्री अनन्तराम जायसवाल** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने मारुति उद्योग लिमिटेड को मारुति-1000 कारों का निर्माण करने की अनुमति इस आधार पर दी है कि इसके निर्माण पर व्यय होने वाली विदेशी मुद्रा का अर्जन मारुति उद्योग स्वयं करेगा ;

(ख) यदि हां, तो इस प्रकार की विलासितापूर्ण कारों के निर्माण पर दुर्लभ विदेशी मुद्रा व्यय करना कहां तक उचित है ; और

(ग) क्या सरकार इस मामले पर पुनर्विचार करने और इस प्रकार की

कार का निर्माण विदेशी मुद्रा अर्जित करने हेतु केवल निर्यात के लिए करने की अनुमति देने का विचार रखती है ।

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) :(क) और (ख) सरकार ने भारत में पृथक सामान-वाहक युक्त कार, अर्थात तीन बाक्स वाली कार की, विपणन मांग को पूरा करने के लिए मारुति 1000 सी० सी० कारों के निर्माण के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है । परियोजना की विदेशी मुद्रा लागत अंशतः सुजुकी मोटर कम्पनी की (16.4 मिलियन अमरीकी डालर) इक्विटी में वृद्धि करके तथा अंशतः विदेशी बैंकों से मारुति उद्योग लिमिटेड द्वारा लिये जाने वाले ऋण (50 मिलियन अमरीकी डालर) से पूरी की जाएगी । इसके अतिरिक्त मारुति उद्योग लिमिटेड 1000 सी०सी० कार की उत्पादन लागत को पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए वचनबद्ध है ।

(ग) जी, नहीं ।

Total power failure in West Bengal and Bihar

*95. SHRI ASHWANI KUMAR:
SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether any enquiry has been made into the causes of total power failure in West Bengal and Bihar on the 26th June, 1990 when the entire Eastern region transmission grid tripped and generation dropped to zero in the West Bengal State Electricity Board, Damodar Valley Corporation, Bihar State Electricity Board, National Thermal Power Corporation and National Hydel Power Corporation;

(b) if so, what is the outcome thereof;

(c) whether any responsibility has been fixed on the defaulting States/Boards; and

(d) whether any measures have been formulated to prevent recurrence of such disasters in the Eastern Region grid or elsewhere in the country; if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) to (d) A Committee was constituted to enquire into the causes of the failure of power supply in the Eastern Region on 26-6-1990. The Committee has attributed the failure to inadequate generation of power, lack of grid discipline, inadequate reactive compensation, inadequate tansmission and communication facilities, lack of trained manpower for load despatch, etc.

The measures taken/proposed to avoid the recurrence of grid failure in the Eastern Region and elsewhere in the country include strict adherence to scheduled load management and tie line flows, effective coordination of regional grid operation, strengthening of transmission/transformation capacities, analysis of the failure of transmission system components and strengthening of the load despatch and telemetry systems etc.

Indian Airlines without a Chairman

*96. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Airlines is at present without a full time Chairman/Managing Director;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) by when these posts are likely to be filled up?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIA-